

कैसर-ए-हदि

हाल ही में अरुणाचल प्रदेश ने बड़ी और चमकीली रंग की ततिली 'कैसर-ए-हदि' को राज्य ततिली के रूप में मंजूरी दी है।

- 'कैसर-ए-हदि' का शाब्दिक अर्थ है 'भारत का सम्राट'।



प्रमुख बदि

- **वैज्ञानिक नाम:** टीनोपालपस इम्पीरयिलसि
- **पर्यावास:**
 - यह दुर्लभ और सवेलोटेल् ततिलियों में से एक है जो मध्यम और उच्च ऊँचाई वाले स्थानों पर पाई जाती है।
 - सर्वोलोटेल्, ततिली परिवार- 'पैपलियोनिडे' ('लेपिडोप्टेरा' ऑर्डर) में ततिलियों का एक समूह है।
 - यह चौड़ी पतली वाले समशीतोष्ण सदाबहार वनों में ऊँचाई पर पाई जाती है।
 - समशीतोष्ण सदाबहार वन पूर्वी और पश्चिमी हिमालय में पाए जाते हैं।
 - 90-120 मल्लिमीटर के पंखों वाली यह ततिली पूर्वी हिमालय के साथ (पश्चिम बंगाल, मेघालय, असम, सकिक्मि और मणपुरि) में भी पाई जाती है।
 - इसकी उपस्थिति एक बेहतर वन पारस्थितिकी तंत्र एवं संरक्षण के अस्तित्व को इंगित करती है।
 - यह ततिली नेपाल, भूटान, म्यांमार, लाओस, वियतनाम और दक्षिणी चीन में भी पाई जाती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
 - **IUCN:** नकिट संकटग्रस्त
 - **CITES:** परशिष्टि- II
 - **वनयजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची- II

ततिली

- **परिचय:**
 - ततिलियों, आर्थरोपोडा फाइलम के लेपिडोप्टेरा ऑर्डर से संबद्ध कीड़े हैं, जसिमें पतंगें भी शामिल हैं।
 - वयस्क ततिलियों में बड़े और प्रायः चमकीले रंग के पंख मौजूद होते हैं।
 - हाल ही में 'गोल्डन बर्डवगि' (ट्रोइड्स ऐक्स) के रूप में प्रसिद्ध एक हिमालयी ततिली को 88 वर्षों के बाद भारत की सबसे बड़ी ततिली के रूप में खोजा गया है।
- **महत्त्व:**
 - **समृद्ध जैव विविधता:** किसी भी क्षेत्र में ततिलियों की प्रचुरता समृद्ध जैव विविधता का प्रतिनिधित्व करती है।

- **संकेतक प्रजाति:** ततिली एक संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती है।
 - एक संकेतक प्रजाति पारस्थितिकी तंत्र की समग्र स्थिति और उस पारस्थितिकी तंत्र में अन्य प्रजातियों की जानकारी प्रदान करती है। यह पर्यावरणीय परिस्थितियों के साथ-साथ सामुदायिक संरचना के पहलुओं में गुणवत्ता और परिवर्तनों को भी दर्शाती है।
- **परागणक:** यह परागण में मदद करके और पौधों की कई प्रजातियों के संरक्षण में परागण के रूप में कार्य करती है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kaiser-i-hind-butterfly>

